नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

विस्थापन, पर्यावरण एवं आदिवासी जीवन : मानवाधिकार के परिप्रेक्ष्य में विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शनिवार से

वर्धा, 15 अप्रैल 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के मानविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली प्रायोजित 'विस्थापन, पर्यावरण एवं आदिवासी जीवन : मानवाधिकार के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उदघाटन शनिवार को कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में किया जाएगा। हबीब तनवीर सभागार में सुबह 11.00 बजे आयोजित उदघाटन कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव बीज वक्तव्य देंगे। उदघाटन के बाद 'पर्यावरण वन एवं आदिवासी अधिकार' विषय पर आयोजित सत्र में हैदराबाद विश्वविद्यालय के प्रो. शिव प्रसाद मुख्य व्याख्यान देंगे तथा एन. बी. विश्वविद्यालय के प्रो. आर. मण्डल एवं सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सुरेश खैरनार मुख्य वक्ता के रूप में विचार रखेंगे। 'आदिवासी जीवन एवं विस्थापन – शिक्षाविदों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की दृष्टि' विषय पर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रो. एस. एन. चौधरी विशेष व्याख्यान देंगे तथा सामाजिक कार्यकर्ता प्रफुल्ल सामंत्रा, वसवी कीरों एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. ए. पी. सिंह मुख्य वक्ता के रूप में विचार रखेंगे। 17 अप्रैल को 'विस्थापन एवं सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन' विषय पर संबलपुर विश्वविद्यालय के प्रो. पी. पांडा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. पी. सी. जोशी विशेष व्याख्यान देंगे तथा सामाजिक कार्यकर्ता गौतम बंदोपाध्याय एवं पंजाब विवि के प्रो. ए. के. सिन्हा इस सत्र के मुख्य वक्ता होंगे। संगोष्ठी का समापन 17 को दोपहर 12.30 बजे हबीब तनवीर सभागार में होगा जिसमें हैदराबाद विवि के प्रो. पी. वेंकटराव समापन वक्तव्य देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र करेंगे। संगोष्ठी में उपस्थित रहने की अपील कुलसचिव डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, मानवविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. फरहद मलिक तथा आयोजन सचिव डॉ. वीरेंद्र प्रताप यादव ने की है।